Structure of Teacher Education -

सेवा पूर्व शिक्षक शिक्षा	पूर्व प्राथमिक	फेस टू फेस
सेवा कालीन शिक्षक शिक्षा	प्राथमिक	दूरस्थ
	माध्यमिक	मुक्त / ओपेन

पार्ट-① कोर (सैद्धान्तिक) पाठ्यक्रम

पार्ट-② पेडागॉगी — विशिष्ट → विज्ञान (भौतिक, रसायन) / → सामाजिक विज्ञान / → अंग्रेजी/हिन्दी, गणित, जीवविज्ञान

पार्ट ③ वैकल्पिक

पार्ट ④ व्यावसायिक क्षमता को बढ़ाने हेतु

पार्ट ⑤ क्षेत्र / प्रायोगिक क्रियाकलाप के साथ संबंध

20 सप्ताह
सेमेस्टर I – दो सप्ताह
" II – दो सप्ताह
" III – आठ सप्ताह
" (IV) आठ सप्ताह

गुण - Merits :- माध्यमिक शिक्षा

1- विषय विशिष्ट विषयवस्तु को पढ़ाने की क्षमता को विकसित करना

2- शिक्षा के लक्ष्य एवं उद्देश्यों की समझ विकसित करना। शिक्षा में प्रजातांत्रिक, धर्म निरपेक्ष तथा सामाजिक परिप्रेक्ष्य के उद्देश्य को सामान्य तथा विशिष्ट लक्ष्य के प्रति समझ विकसित करना

3- संस्थानात्मक तथा मनोगत्यात्मक शिक्षण कौशल को विकसित करना।

4- शैक्षिक तकनीकी के प्रयोग के कौशल को विकसित करना।

5- किशोर विद्यार्थियों के जैविक, मनो-सामाजिक आवश्यकताओं तथा समस्याओं के प्रति समझ विकसित करना।

6- निर्देशन तथा परामर्श देने के कौशल को विकसित करना।

7- शोध में प्रयोग होने वाले उपकरणों तथा नये खोज प्रोजेक्ट के साथ क्रियात्मक अनुसन्धान को बढ़ावा देना।

8- विद्यार्थियों के विभिन्न आयु वर्ग से सम्बन्धित आवश्यकताओं के प्रति समझ विकसित करना।

9- शिक्षक तथा विद्यालय की भूमिका के अन्तर्गत सामाजिक परिवर्तन के प्रति समझ विकसित करना।

Scanned with CamScanner

10- व्यक्तिगत, प्रजातांत्रिक व्यक्तित्व के विकास के लिए सभी बच्चो को पुरस्कार, सहानुभूति तथा अच्छाई की भावना को विकसित करना।

11- शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारको के रूप मे समाजशास्त्रीय मनोवैज्ञानिक, ऐतिहासिक और आर्थिक पक्षो के प्रति समझ विकसित करना।

12- शिक्षण व्यवसाय के प्रति प्रत्येक शिक्षक मे सकारात्मक अभिवृत्ति को विकसित करना।

13- शिक्षक मे स्वंय का आत्म विश्वास ग्रहण करना।

14- मानव जीवन के शुभात्मक पक्षो के प्रति समझ विकसित करना।

15- सामाजिक व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षा एवंय तथा अन्तः सम्बन्धित विषयो के प्रविधियो के साथ-समन्वय जैसी प्रक्रिया के लिए समझ विकसित करना।

16- विषय वस्तु से सम्बन्धित वाक्यो के सही उच्चारण व प्रभावी उच्चारण का ज्ञान / समझ विकसित करना। (1)

17- विषय से सम्बन्धित विषयवस्तु के विभिन्न इकाइयो के (2)
अन्तर्गत आने वाले क्रिया-कलापो तथा अनुभवो के साथ- (3)
साथ मूल्यांकन पद्धति की दक्षता का ज्ञान अर्जित करना। (4)

18- शिक्षण पद्धति को प्रभावी बनाने हेतु नई प्रविधियो तथा नई (5)
तकनीको के साथ-2 मूल्यांकन की क्षमता का ज्ञान अर्जित करना। (6)

19- शिक्षण अधिगम मे अपने एवंय के अनुभव के आधार (7)
पर अधिकतम संख्या मे विद्यार्थियो को सम्मिलित करने
की क्षमता अर्जित करना।

20- शिक्षण प्रक्रिया के लिए प्रयुक्त होने वाले विभिन्न पुस्तको (8)
के सम्बन्धित पुस्तको का अध्ययन करना / या पाठ्यवस्तु

21-

22-

Scanned with CamScanner

classmate
Date
Page (६)

21- शिक्षा से वंचित (अक्षम) विद्यार्थियों को नियोजित योजना के अन्तर्गत शिक्षण अधिगम से जोड़ना तथा उन्हे बढ़ावा देने की क्षमता अर्जित करना।

22- शिक्षक अभिभावक के प्रजातांत्रिक समुदाय तथा सहानुभूति सृजनात्मकता तथा नीजी विद्यालयों के संगठन की योजना की क्षमता को अर्जित कराना।

Demerits - दोष →

प्रयोगात्मक कार्य और पाठ्यक्रम मे Gap है
सैद्धान्तिक VS प्रयोगात्मक
कन्टेन्ट नॉलेज
नये विचारो को स्वीकार करने की बात का अभाव
पी॰पी॰टी॰ + ओ॰एम्प॰पी॰ + पुरानी तकनीक
कोर्स की संरचना

(1) विभिन्न प्रकार शिक्षक शिक्षा संस्थानो मे एकरूपता का अभाव होना।
(2) शिक्षण संस्थानो मे कमजोर स्रोतों व विशेष मानको का न होना।
(3) विभिन्न शिक्षक शिक्षा संस्थानो मे वितीय व्यवस्था सही न होना।
(4) शिक्षक शिक्षा संस्थानो मे शिक्षण प्रणाली से प्रभावी परीक्षण का न आना
(5) मानवीय तथा भौतिक स्रोतों को बढ़ाने हेतू विभिन्न प्रकार के प्रबन्धन समीतियो का रचनात्मक अभिवृत्ति को धाराजना
(6) विद्यार्थी तथा शिक्षक के नियुक्ति मे सही समन्वय का न होना
(7) शिक्षक शिक्षण संस्थानो का अस्त-व्यस्त होने के साथ-2 अपूर्ण संगठन का होना।
(8) शिक्षक शिक्षण से जुड़ी पाठ्य सहगामी क्रियाएं तथा विभिन्न क्रियाकलापों का पर्याप्त नियोजन न होना।

9- मूल्यांकन पद्धति में विषय सन्दर्भित पक्षों का होना।

10- शिक्षण के दौरान होने वाले शिक्षण अभ्यास का सही नियोजन न होना

11- प्रतिपुष्टी के रूप में दिये जाने वाले पक्षों का अभाव होना

12- माध्यमिक स्तर के शिक्षक का उच्च स्तर के शिक्षक के साथ समन्वय न स्थापित हो पाना।

13- व्यावसायिक प्रत्यक्षीकरण का अभाव होना।

Suggestions :- सुझाव

(1) विभिन्न प्रकार के शिक्षक शिक्षण संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रम, समय, कार्यक्रमों में एकरूपता / समानता होना चाहिए।

(2) विषय से सन्दर्भित नवीन जानकारी या ज्ञान को एकसाथ मानना व संचालित करना।

(3) विभिन्न प्रकार के शिक्षक शिक्षण संस्थानों में आने वाली वित्तीय बाधाओं के प्रति सरकार का सही रवैया/दृष्टिकोण होना चाहिए।

(4) आधारी दक्षता के साथ-2 शिक्षा के सभी मानक तथा अनुभव एवं परिपूर्ण अध्यापक को होना चाहिए।

(5) शिक्षक प्रशिक्षक को ICT में प्रवीण होना चाहिए।

(6) प्राइवेट संस्थान को मान्यता दे रहे हैं तो मानक को ध्यान में रखकर देना होगा।

(7) जो शैक्षिक संस्था मानक को पूरा नहीं कर रहे हैं उसमें सुधार किया जाए या तो उसे बन्द कर दिया जाए।

(8) संस्था को मान्यता देने की प्रविधि का कठोर ढंग से पालन किया जाए एवं मानक को पूरा न करने वालों को निर्देश दिया जाए।

9- नियमित रूप से NCTE द्वारा विभिन्न शिक्षक संस्थाओं को दिशा निर्देश देते रहना।

10- अध्यापक के चयन प्रक्रिया में साक्षात्कार, सामूहिक निर्णय के साथ-2 सामान्य प्रवेश परीक्षा को संचालित करना

11- शिक्षक प्रशिक्षक के व्यावसायिक वृद्धि को हमेशा बढ़ावा देते रहना।

12- पुनर्बोधन कोर्स के द्वारा शिक्षक प्रशिक्षक को संशोधित रूप में धारा प्रवाह बनाना।

13- शिक्षक प्रशिक्षण में शोध को बढ़ावा देना।

14- शिक्षण कार्य के दिनों की संख्या को बढ़ाया जाय-

Scanned with CamScanner